राष्ट्रीय संगोष्ठी

**"योग एवं श्रीमद्भगवद्गीता के सिद्धान्तों एवं साधना पद्धतियों का स्वरूप एवं प्रासंगिकता"**

**दिनांक 17–18 जून 2018**

**आयोजक**

**दर्शनशास्त्र विभाग, गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय (डीम्ड टू बी यूनीवर्सिटी) हरिद्वार**

## सूचना एवं आमन्त्रण

महोदय / महोदया

अतीव प्रसन्नता एवं गौरव का विषय है कि दर्शनशास्त्र विभाग के तत्त्वाधान में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें कार्यक्रमानुसार आप सादर आमन्त्रित हैं। संगोष्ठी का विषय है–योग एवं श्रीमद्भगवद्गीता के सिद्धान्तों एवं साधना पद्धतियों का स्वरूप एवं प्रासंगिकता। उपविषयों का विवरण निम्नानुसार है–

1. **वेदों एवं उपनिषदों में योग**– वेदों में योग– प्रमुख साधन, ब्रह्मविद्या एवं आत्मविद्या, मुक्ति की अवधारणा।
   उपनिषदों में योग– अभ्युदय–निःश्रेयस, अध्यात्म योग, राजयोग प्राण साधना, हठयोग, पंचकोश की अवधारणा।
   योग–उपदेश की प्रमुख विधियां– प्रकाशना सिद्धांत, श्रुति विधि, संवाद / शास्त्रार्थ, यज्ञ प्रविधि।
2. **योग एवं व्यक्तित्व विकास**– योग के प्रमुख प्रकार– अष्टांग योग, क्रिया योग, चित्त प्रसाद के प्रमुख साधन। अभ्यास–वैराग्य एवं ईश्वरप्रणिधान आदि का स्वरूप एवं प्रासंगिकता।
   व्यक्तित्व एवं व्यक्तित्व विकास की अवधारणा– व्यक्तित्व विकास के प्रमुख आयाम, प्रभावित करने वाले मुख्य कारक।
   व्यक्तित्व विकास में योग की भूमिका – शारीरिक व्यक्तित्व का विकास, नैतिक व्यक्तित्व का विकास, आध्यात्मिक व्यक्तित्व का विकास, बौद्धिक व्यक्तित्व का विकास।
   मनोविकार के सोपान, विश्लेषण और समाधान– अनासक्त भाव, स्थिर बुद्धि
3. **श्रीमद्भगवद्गीता में योग–** गीता का प्रमुख संदेश, गीता–उपदेश की विशिष्ट परिस्थिति, गुरु–शिष्य की भूमिकाएं, योग के प्रमुख प्रकार– ज्ञान–योग, कर्म–योग, भक्ति–योग।
   गीता के अन्य यौगिक प्रत्यय– निष्कामता, स्थित–प्रज्ञता, अभ्यास एवं वैराग्य, योग–क्षेम, दैवी–आसुरी संपदा।
   गीता में प्रमुख योगांग– यम–नियम, आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार, धारणा एवं ध्यान, ध्यान के प्रमुख प्रकार।
   गीता के योग सम्बन्धी प्रासंगिक मुद्दे– बंधन एवं मुक्ति, युद्ध एवं शांति, आत्म प्रबंधन, तनाव प्रबंधन एवं समाज प्रबंधन !
4. **समग्र स्वास्थ्य प्रबन्धन– योग एवं गीता–** समग्र स्वास्थ्य की अवधारणा, इसके प्रमुख निर्धारक तत्व।
   शारीरिक स्वास्थ्य प्रबन्धन– जीवनशैली एवं योग।
   मानसिक स्वास्थ्य प्रबन्धन– सकारात्मक चिंतन एवं जीवनशैली, योग।

समग्र स्वास्थ्य प्रबन्धन– प्रमुख व्याधियां एवं उनका निवारण : शारीरिक – अपच, मोटापा , उच्च एवं निम्न रक्तचाप, मधुमेह, शारीरिक शिथिलता, मानसिक– तनाव, चिंता एवं अवसाद, अनिद्रा, उन्माद आदि।

5. **योग एवं गीता : जीवन दर्शन एवं उसका प्रयोग**– जीवन दर्शन का स्वरूप, जीवन दर्शन के प्रमुख तत्व– धर्म, अर्थ, काम एवं मोक्ष।
   प्रमुख जीवन दृष्टियां– अध्यात्मवादी, भौतिकवादी एवं समन्वयवादी।
   वैदिक जीवन दर्शन– पुरुषार्थ चतुष्टय, त्रिवर्ग की अवधारणा, अभ्युदय एवं निःश्रेयस का विचार।
   योग एवं गीता की जीवन दृष्टियां– युद्ध एवं शांति, व्यष्टिवाद बनाम समष्टिवाद, यंत्रिकतावाद, भोगवाद एवं शोषणवाद की चुनौतियां– पातंजल योग एवं श्रीमद्भगवदगीता का सामाधान।
6. **<u>विशेष रूप से अन्य प्रासंगिक विषय–</u>** <u>(योग दर्शन एवं श्रीमद्भगवद्गीता के आलोक में)</u>
   यथा– तनाव–प्रबन्धन, स्वास्थ्य–संरक्षण एवं प्रबन्धन, तकनीकी विकास– चुनौतियाँ एवं समाधान, तकनीकी का बढ़ता दुरुपयोग एवं रोकथाम, सकारात्मक चिन्तन एवं जीवन शैली, विश्व शान्ति एवं स्थायित्व की समस्या, सामाजिक सौहार्द एवं सहिष्णुता, सामाजिक एवं राष्ट्रीय एकता, पर्यावरण संरक्षण, आतंकवाद की चुनौती आदि अन्य प्रासंगिक महत्व के विषय।

## शोधपत्र आमन्त्रण

शोधपत्र के टंकण का प्रारूप–

| भाषा | | फॉन्ट | | साइज़ | फाइल |
|---|---|---|---|---|---|
| हिन्दी | – | Kruti dev 10 | – | 14 | (MS-Word) |
| English | – | Times New Roman | – | 12 | (MS-Word) |

उक्त अनिवार्यता का पालन करते हुए प्रतिभागी अपना शोधपत्र का सार यथाशीघ्र भेजें तथा पूर्ण शोध पत्र दिनांक 05/06/2018 तक निम्न पते पर प्रेषित करने का कष्ट करें –

1. E-mail ;- seminarphilgkv@gmail.com
2. आयोजन सचिव, डॉ0 सोहनपाल सिंह आर्य, प्रो0 एवं अध्यक्ष, दर्शनशास्त्र विभाग, गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय (डीम्ड टू बी यूनीवर्सिटी), हरिद्वार (उत्तराखण्ड) – 249404।

## पंजीकरण शुल्क

राष्ट्रीय संगोष्ठी में सहभागिता हेतु पंजीकरण की अन्तिम तिथि **<u>05/06/2018</u>** है।

पंजीकरण शुल्क का विवरण निम्नवत् है–

1.शिक्षक/कम्पनी प्रतिनिधि–रू 1500/–
2.शोध छात्र/छात्र/छात्रा/प्रतिभागी/अन्य–रू 1000/–
3.स्थानीय शिक्षक/कम्पनी प्रतिनिधि (बिना आवास सुविधा)–रू 700/–
4.स्थानीय शोध छात्र/छात्र/छात्रा आदि (बिना आवास सुविधा)–रू 500/–

**नोट–** प्रतिभागी के साथ आये सदस्य को अतिरिक्त शुल्क 1000 रु./व्यक्ति देय होगा।

निर्धारित तिथि के उपरान्त प्रत्येक प्रतिभागी को पंजीकरण हेतु 300 रूपये अतिरिक्त देय होगें।

**पंजीकरण शुल्क का भुगतान निम्न प्रकार किया जा सकता है–**

1. नकद– विश्वविद्यालय फीस काउन्टर पर
2. डी.डी. द्वारा भुगतान– **कुलसचिव, गुरूकुल कांगडी विश्वविद्यालय, हरिद्वार** के पक्ष में देय होगा।
3. एन.ई.एफ.टी. द्वारा भुगतान–

| | | |
|---|---|---|
| पक्ष में | – | कुलसचिव, गुरूकुल कांगडी विश्वविद्यालय, हरिद्वार |
| बैंक का नाम | – | पंजाब नेशनल बैंक |
| शाखा का नाम | – | गुरूकुल कांगडी, हरिद्वार |
| खाता संख्या | – | 4063000100117371 |
| आई.एफ.एस.सी.कोड | – | PUNB0406300 |

**नोट** : 1. प्रतिभागी कृपया अपना पंजीकरण फार्म, शोधपत्र एवं डी.डी./एन.ई.एफ.टी. स्लिप की स्कैन कॉपी ई–मेल से तथा मूल प्रति पंजीकृत डाक से 05/06/2018 तक भेजने का कष्ट करें।

2. उपर्युक्त सभी की मूल प्रतियाँ पंजीकृत डाक से आयोजन सचिव– राष्ट्रीय संगोष्ठी एवं विभागाध्यक्ष को निम्न पतानुसार प्रेषित करने का कष्ट करें।

3. पंजीकरण शुल्क के उपरान्त ही आवास आदि की सुविधायें प्रदान की जा सकेगी।

**नोट–** पंजीकरण के साथ ही शोध–निबन्ध स्वीकार किया जा सकेगा।

आदर सहित–––

निवेदक

डॉ0 सोहनपाल सिंह आर्य
प्रोफेसर एवं अध्यक्ष–दर्शनशास्त्र विभाग
एवं आयोजन सचिव राष्ट्रीय संगोष्ठी
गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय (डीम्ड टू बी यूनीवर्सिटी) हरिद्वार–249404
सम्पर्क हेतु– 09897273663, 08218670272, 09457085161
Email- seminarphilgkv@gmail.com, sparyapro@gmail.com
अधिक जानकारी हेतु विश्वविद्यालय की वेबसाईट–––– www.gkv.ac.in